आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 26.08.2026
समय 0720

मुख्य समाचार :–

- राज्य मंत्रिमंडल ने शहीद सैनिकों की मूर्तियां उनके पैतृक गांवों में स्थापित करने का निर्णय लिया है।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने देहरादून में 'मुक्त ज्ञान कोष' का लोकार्पण किया, कहा– ज्ञान की पहुंच में नहीं होनी चाहिए दूरी।
- रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में 2026–27 से पढ़ाई शुरू करने की तैयारी तेज।
- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों और मेलों को वैश्विक पहचान देने पर जोर दिया।
- और... हरिद्वार में बेलड़ा ग्राम पंचायत बनेगी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का मॉडल, महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा

राज्य मंत्रिमंडल

राज्य मंत्रिमंडल ने शहीद सैनिकों की मूर्तियां उनके पैतृक गांवों में स्थापित करने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को शहीदों की वीरता और बलिदान से परिचित कराना है।

साथ ही सेवामुक्त अग्निवीरों के लिए राज्य स्तर पर समर्पित प्रकोष्ठ बनाने को भी मंजूरी दी गई है।

वहीं, उपनल कार्मिकों को समान कार्य के लिए समान वेतन देने की प्रक्रिया तीन चरणों में लागू की जाएगी।

कैबिनेट ने सरकारी सेवकों की वेतन मैट्रिक्स में संशोधन को भी मंजूरी दी गई। लेवल–13 के बाद लेवल–14 और लेवल–15 का प्रावधान किया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने उत्तराखंड मेडिकल सप्लाईज कॉर्पोरेशन के गठन पर सहमति दी। इससे दवाओं, सर्जिकल सामग्री और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में तेजी आएगी।

रिस्पना नदी के किनारे बसी मलिन बस्ती के चयनित परिवारों को काठबंगला में निर्मित 116 आवास आवंटित किए जाएंगे।

"मुक्त ज्ञान कोष"

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने देहरादून स्थित लोक भवन में 'मुक्त ज्ञान कोष' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'मुक्त ज्ञान कोष' केवल एक डिजिटल मंच नहीं, बल्कि ज्ञान को समाज की शक्ति और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। राज्यपाल ने कहा कि "पहाड़ में दूरी हो सकती है, लेकिन ज्ञान की पहुंच में दूरी नहीं होनी चाहिए।"

'मुक्त ज्ञान कोष' उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किया गया डिजिटल शैक्षणिक मंच है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों को अध्ययन एवं शोध से जुड़ी उपयोगी सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है।

मंच पर विश्वविद्यालय की ई–पुस्तकों और अन्य अध्ययन सामग्री के साथ देश–विदेश के भरोसेमंद शैक्षणिक स्रोतों से जुड़ी सामग्री भी उपलब्ध कराई जा रही है। इसमें शिक्षकों के शोध कार्य, शोध–पत्र, शोध से संबंधित डेटा, शोध प्रबंध तथा विश्वविद्यालय से जुड़ी ज्ञान सामग्री शामिल है।

इसके अलावा, देश–विदेश के अन्य मुक्त शैक्षणिक संसाधनों को खोजने की सुविधा भी उपलब्ध है। इस प्रकार 'मुक्त ज्ञान कोष' विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अध्ययन, शोध और नई जानकारी हासिल करने का व्यापक डिजिटल मंच बनकर सामने आया है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज

सरकार ने रुद्रपुर और पिथौरागढ़ राजकीय मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक सत्र 2026–27 से पढ़ाई शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रत्येक कॉलेज में 100–100 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था प्रस्तावित है। चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना है।

श्री उनियाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दोनों कॉलेजों में मानकों के अनुरूप फैकल्टी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। प्रयोगशाला उपकरण और फर्नीचर की आपूर्ति भी तय समय में पूरी करने को कहा गया।

प्रशासनिक, प्रयोगशाला और एकेडमिक भवनों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

वन डिस्ट्रिक्ट वन फेस्टिवल

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने प्रत्येक जिले को अपने विशिष्ट पर्व या मेले को वन डिस्ट्रिक्ट वन फेस्टिवल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। इसके लिए वार्षिक इवेंट कैलेंडर तैयार किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने स्थानीय लोगों, प्रवासी उत्तराखंडियों और अन्य हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने मेलों और उत्सवों को स्थायी पहचान देने के लिए उन्हें संस्थागत रूप देने पर जोर दिया।

उन्होंने चमोली के रम्माण फेस्टिवल और उत्तरकाशी के बटर फेस्टिवल जैसे विशिष्ट आयोजनों को बड़े स्तर पर बढ़ावा देने के निर्देश दिए। पौड़ी और चमोली के शरदोत्सव, हरिद्वार महोत्सव, नैनीताल और मसूरी विंटर कार्निवल को भी अधिक आकर्षक बनाने पर जोर दिया गया।

चम्पावत के इंटरनेशनल एंगलिंग मीट को वैश्विक पहचान दिलाने और उत्तरायणी मेले में एडवेंचर गतिविधियां बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने स्थानीय उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, गुणवत्ता, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मॉडल ग्राम पंचायत

हरिद्वार जिला प्रशासन ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए नई पहल शुरू की है। इसके तहत रुड़की ब्लॉक की बेलड़ा ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जा रहा है।

ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं इस अभियान से जुड़ी हैं। महिलाएं घर–घर जाकर कूड़ा एकत्र कर रही हैं। इसके लिए प्रति घर 30 रुपये शुल्क लिया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्र ने प्रत्येक विकासखंड से 10–10 ग्राम प्रधानों की टीम बनाकर बेलड़ा मॉडल का अध्ययन भ्रमण कराने के निर्देश दिए। इसका उद्देश्य अन्य ग्राम पंचायतों में भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाना है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी

बागेश्वर में रक्षाबंधन को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और गुणवत्ताहीन खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी विपिन कुमार के नेतृत्व में टीम ने चार खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावट की आशंका को देखते हुए विशेष निगरानी की जा रही है।

सतलुज जल विद्युत परियोजना

उत्तरकाशी के मोरी ब्लॉक में सतलुज जल विद्युत परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ये निर्णय लिया गया।

बैठक में अधिग्रहित भूमि के सीमांकन और मुआवजे से जुड़े लंबित मामलों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने मामलों के निस्तारण में पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा के साथ विकास कार्यों को भी गति दी जानी चाहिए। अधिकारियों को ग्रामीणों की मांगों पर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया।

ईद मिलाद–उन–नबी

देशभर में आज ईद मिलाद–उन–नबी का पर्व मनाया जा रहा है। इसे ईद–ए–मिलाद भी कहा जाता है। यह पर्व पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन की याद में मनाया जाता है। इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने रबी–उल–अव्वल की 12वीं तारीख को मनाए जाने वाले इस पर्व पर लोग पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं और संदेशों को याद करते हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ईद–ए–मिलाद–उन–नबी की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी है।

मौसम

मौसम विभाग ने आगामी 31 अगस्त तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। आज देहरादून, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिलों में कहीं–कहीं मूसलाधार बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

विभाग ने चारधाम यात्रियों, श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से नदी–नालों से दूर रहने तथा संवेदनशील स्थानों पर जाने से बचने की सलाह दी है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों में भूस्खलन से करीब 78 सड़कें अवरुद्ध हैं। जिन्हें खोलने का प्रयास लगातार जारी है।